कक्षा - 10

संसाधन एवं विकास : –

संसाधन का अर्थ – वे सभी वस्तुएँ जो मनुष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है संसाधन कहलाती प्रकृति प्रदत्त निःशुल्क उपहार जैसे – मृदा; जल ; वायु; सूर्य का प्रकाश ; पेड़–पौधे ; खनिज ; पदार्थ; जंगली पशु आदि जो मानव के लिए उपयोगी होती है संसाधन कहलाते है । मानव को सबसे बड़ा संसाधन माना जाता है क्योंकि मानव के ज्ञान के द्वारा ही प्रत्येक प्राकृतिक पदार्थ रूपान्तरण करके संसाधन की श्रेणी में सम्मिलित होता है ।

संसाधनों का वर्गीकरण :–

क – उत्पति के आधार पर –

1–जैव संसाधन ।

2–अजैव संसाधन ।

ख – स्वामित्व के आधार पर –

1–व्यक्तिगत संसाधन ।

2 –सामुदायिक संसाधन ।

3 –राष्ट्रीय संसाधन ।

4 –अंतराष्ट्रीय संसाधन ।

ग – समाप्यता के आधार पर –

1 –नवीकरणीय संसाधन ।

2 –अनवीकरणीय संसाधन ।

घ – विकास स्तर के आधार पर –

1 –संभावी संसाधन ।

2 –विकसित संसाधन ।

3 –भंडार ।

4 – संचित कोष ।

संसाधनो का सामान्य वर्गीकरण –

1 – प्राकृतिक संसाधन – ये संसाधन प्रकृति प्रदत्त निःशुल्क उपहार स्वरूप है । सूर्यताप ; भूमि; जल; वायु ; वन ; वन्यजीव; खनिज ; ऊर्जा स्त्रोत आदि प्राकृतिक संसाधन हैं ।

2 – मानव निर्मित संसाधन – मानव द्वारा निर्मित संसाधनों को मानव निर्मित संसाधन कहा जाता है। मशीनें; भवन; सड़क; रेलमार्ग; कारखाने आदि मानवनिर्मित संसाधन हैं ।

3 – नवीकरणीय संसाधन –

इन संसाधनों का बार –बार उपयोग किया जा सकता है । जल; वायु; पेड–पौधे ; सौरऊर्जा ; पवनऊर्जा ;ज्वारीय ऊर्जा आदि नवीकरणीय संसाधनों के प्रमुख उदाहरण हैं ।

4 – अनवीकरणीय संसाधन –

इन संसाधनों का एक बार उपयोग करने के उपरान्त दुबारा उपयोग नही किया जा सकता हैं । कोयला; खनिज तेल ; लकडी आदि इसके मुख्य उदाहरण हैं ।

राष्ट्रों का भावी विकास संसाधनों पर निर्भर :–

संसाधनों राष्ट्रों के भावी विकास के आधार हैं संसाधन निजी राष्ट्रों की सम्पदा कहलाते है । ये देश के आर्थिक और सामाजिक विकास की आधार शिला हैं । संसाधनों का भविष्य उसके निवासियों को तकनीक; वैज्ञानिक; व शैक्षिक योग्यता पर निर्भर करता हैं । अतः राष्ट्रीय विकास के लिए मानवीय संसाधनों का विकास अत्यन्त आवश्यक होता हैं । उदाहरणर्थ –अफीका महाद्वीप में संसाधनों का विशल भण्डार हैं। परन्तु वहाँ के निवासियों में तकनीकी ज्ञान के अभाव के करण विकास नहीं हो पाया हैं । दूसरी ओर संयुक्त राज्य अमेरिका ; रूस ; जर्मनी; ब्रिटेन राष्ट्रों ने संसाधनों का विकास तकनीकी ज्ञान द्वारा किया है तो वे विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ गये है ।

संसाधन नियोजन की आवश्यकता :–

संसाधनों का विवेकपूर्ण प्रयोग करने के लिए नियोजन करना चाहिए जिससे भावी पीढ़ी भी उपयोग कर सके ।

वर्तमान की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भविष्य के लिए संसाधन बचाना सतत पोषणीय विकास कहलाता हैं।

1 – संसाधन सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं इसलिए उनका नियोजन आवश्यक हैं। जिससे उन्हे स्वयं भी उचित ढंग से प्रयोग करे और आने वाली पीढीयों के लिए सुरक्षित रखें।

2 – संसाधन न केवल सीमित मात्रा में ही उपलब्ध हैं। वरन उनकी उपलब्धता में काफी भिन्नता और विविधता पायी जाती हैं। भरत जैसे देशा में बहुत से क्षेत्र ऐसे भी है जहाँ एक तरह से संसाधनों की प्रचुरता हैं परन्तु दूसरी तरफ से संसाधनों की कमी ; परन्तु संसाधन नियोजन की प्रकिया से देश के प्रत्येक राज्य का सामान और सन्तुलित विकास संभव हो सकता हैं।

3 – संसाधनों के नियोजन से उनका विनाश रोका जा सकता हैं देश की मूल्यवान सम्पदा का संरक्षण किया जा सकता हैं। इस प्रकिया से वृक्षों का अन्धाधुन्ध कटना और वन्य प्राणियों का विनाश रोका जा सकता हैं। अन्यथा ऐसे लोग अपने लालच के लिए संसाधनों का दुष्प्रयोग कर सकते हैं। और राष्ट्रीय सम्पदा का विनाश कर सकते हैं।

4 – संसाधनों के नियोजन से पंचवर्षीय योजनाओं को सफल बनाया जा सकता हैं।

संसाधनों का संरक्षण :–

वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए भविष्य के लिए भी संसाधनों को बचाना आवश्यक है । संसाधनों का संरक्षण आज हमारी प्रमुख आवश्यकता है।

संसाधन विश्व में सीमित मात्रा में हैं इसलिए इन्हें संरक्षित करना आवश्यक हैं इनकों समालना बचाना ; प्रतिबन्धित करना ही संरक्षण कहलाता हैं इनका संरक्षण न किया गया तो आने वाली पीढ़ी इनके उपयोग से वंचित हो जायेगी । अतः संसाधनों का संरक्षण करना अति आवश्यक हैं ।

1 – संसाधनों का अन्धाधुन्ध उपयोग नही करना चाहिए।

2– पेंड पौधों की अन्धाधुन्ध कटाई पर रोक लगाना चाहिए ।

3– नवीकरण संसाधनों का प्रयोग अधिकाधिक किया जाय ।

4 – लोगों को पर्यावरण व संसाधनोंके प्रति जागरूक बनाया जाए ।

5 – संसाधनों का विवेकपूर्ण नियोजित उपयोग किया जाए ।

अभ्यास प्रश्न : –

प्रश्न :–1– संसाधन से आप क्या समझते है ? संसाधनों के संरक्षणके विभिन्न उपाय सुझाइए ?(2008))

प्रश्न :–2– उत्पत्ति तथा समाप्य के आधार पर संसाधनों का वर्गीकरण कीजिए ?(2008–2014)

प्रश्न :–3–नवीकरण संसाधनों के दो उदाहरण दीजिए ? (2013)

पुष्कर सिंह पोखरिया
स0 अ0 एस0 डी0 एस0
रा0 इ0 का0 पिथौरागढ (उत्तराखण्ड)